

चपरनी स्त्री. (देश.) मुजरा, गाना (वेश्याओं की बोली)।

चपरा वि. (देश.) हठात, कोई बात कहकर या कोई काम करके उससे इनकार करने वाला, मुकर जाने वाला, झूठा।

चपरास स्त्री. (फा.) 1. पीतल आदि की धातुओं की एक छोटी पट्टी जिसे पेटी में लगा कर सिपाही, चौकीदार, अरदली आदि पहनते हैं और जिस पर उनके मालिक, कार्यालय आदि के नाम खुदे रहते हैं, बिल्ला, बैज 2. मुलम्मा करने की कलम 3. बढइयों के आरे के दाँतों का दाहिने और बाएँ झुकाव।

चपरासी पुं. (फा.) वह नौकर जो चपरास पहने हो और मालिक के साथ रहे, सिपाही, प्यादा, अरदली।

चपरि क्रि.वि. (तद्.) फुरती से, चपलता से, तेजी से, जोर से, सहसा, एक बारगी।

चपल पुं. (तत्.) 1. पारा, पारद 2. मछली 3. चातक, पपीहा 4. एक प्रकार का पत्थर 5. चौर (चोरक) नामक सुगंधित द्रव्य 6. राई 7. एक प्रकार का चूहा **वि.** (तत्.) 1. कुछ काल तक एक स्थिति में रहने वाला, चंचल, तेज फुरतीला, चुलबुला 2. बहुत काल तक न रहने वाला, क्षणिक 3. उतावला, हड़बड़ी मचाने वाला, जल्दबाज 4. अभिप्राय साधने में उद्यत, अवसर न चूकने वाला, चालाक, धृष्ट।

चपलता स्त्री. (तत्.) 1. चंचलता, तेजी, जल्दी, उतावली 2. धृष्टता, ढिठाई।

चपला स्त्री. (तत्.) 1. लक्ष्मी 2. बिजली, चंचल 3. आर्या छंद का एक भेद 4. पुंश्चली स्त्री 5. पीपल 6. जीभ, जिह्वा 7. विजया, भाँग 8. मदिरा 9. प्राचीन काल की एक नाव जो 48 हाथ (72 फीट) लम्बी, 24 हाथ (36 फीट) चौड़ी और 24 हाथ (36 फीट) ऊँची होती थी और केवल नदियों में चलती थी **स्त्री.** (देश.) जहाज में लोहे या लकड़ी की पट्टी जो पतवार के दोनों ओर उसकी रोक के लिए लगी होती है।

चपलाना अ.क्रि. (तद्.) चलना, हिलना, डोलना।

चपाक क्रि.वि. (देश.) 1. अचानक 2. चटपट, झटपट, तुरंत।

चपाती स्त्री. (तद्.) वह पतली रोटी जो हाथ से बेलकर बनाई जाती है, रोटी मुहा. चपाती सा पेट- वह पेट जो बहुत निकला हुआ न हो, क्रशोदर।

चपाना वि. (देश.) 1. रस्सी जोड़ना 2. दबाने का काम करना, दबवाना 3. लज्जा से दबाना, लज्जित करना, शर्मिदा करना।

चपेट स्त्री. (तत्.) 1. रगड़ के साथ वह दबाव जो किसी भारी वस्तु के वेगपूर्वक चलने से पड़े, झाँका, रगड़ा, धक्का, आघात 2. झापड़, थप्पड़, तमाचा 3. दबाव, संकट मुहा. चपेट में आना-संकट में फँसना, मारा जाना।

चपेटना स.क्रि. (तद्.) 1. दबाना, दबोचना, दबाव में डालना, रगड़ा देना 2. बलपूर्वक भगाना 3. फटकार लगाना, डाँटना प्रयो. उसने सभी बच्चों को चपेटना शुरू कर दिया।

चपेटा पुं. दे. चपेट।

चपेटी स्त्री. (तत्.) भाद्रपद की शुक्ला षष्ठी विशेष. यह संतान के हितार्थ पूजन के लिए गिनाई गई द्वादश षष्ठियों में से एक है।

चपौटी स्त्री. (देश.) छोटी टोपी, सिर में जमी हुई टोपी।

चप्पल पुं. (देश.) पैर में जूते के बदले पहनने की वस्तु जिसमें एड़ी खुली होती है।

चप्पा पुं. (तद्.) 1. चतुर्थांश, चौथाई भाग 2. थोड़ा भाग, न्यून अंश 3. चार अंगुल जगह 4. थोड़ी जगह प्रयो. उसने चप्पा-चप्पा छान मारा किन्तु कहीं कुछ नहीं मिला।

चप्पी स्त्री. (देश.) धीरे-धीरे हाथ पैर दबाने की क्रिया, चरण सेवा।

चप्पू पुं. (देश.) एक प्रकार का डाँड जो पतवार का भी काम देता है।

चबक स्त्री. (देश.) रह-रह कर उठने वाला दर्द, चिलक, टीस, हूल, पीड़ा **वि.** (देश.) दब्बू, डरपोक